तिरुपति को अपशिष्ट प्रबंधन नेतृत्व के लिये मान्यता

स्रोत: पी.आई.बी.

हाल ही में आवास और शहरी कार्य मंत्रालय ने अपशिष्ट प्रबंधन एवं स्वच्छता में उत्कृष्ट उपलब्धियों के लिये आंध्र प्रदेश के तिरुपति नगर निगम (MC) को विशिष्ट रूप से दर्शाया।

अपशिष्ट प्रबंधन और स्वच्छता में तिरुपति की उपलब्धियाँ क्या हैं?

- स्वच्छ सर्वेक्षण 2023 रैंकिंग:
    - तिरुपति नगर निगम ने स्वच्छता के प्रति अपनी प्रतिबद्धता प्रदर्शित करते हुए 1 लाख से अधिक आबादी वाले सबसे स्वच्छ शहरों में 8वाँ स्थान हासिल किया।
- अपशिष्ट मुक्त शहर (Garbage Free City- GFC) और वाटर प्लस रेटिंग:
    - 5-स्टार गारबेज फ्री सिटी (GFC) और वाटर प्लस (+) रेटिंग हासिल की।

नोट:

- **स्वच्छ भारत मिशन (शहरी) खुले में शौच मुक्त (ODF)+**, **ODF++** और **वाटर+** श्रेणियों का उपयोग करके स्वच्छता मापदंडों पर शहरों का परीक्षण करता है।
    - **ODF+:**
        - जल, स्वच्छता और साफ-सफाई के साथ शौचालयों पर ध्यान केंद्रित किया गया है। ODF+ शहर **उचित शौचालय सुविधाओं को बनाए रखने के लिये ODF स्थिति की संधारणीयता** सुनिश्चित करते हैं।
    - **ODF++:**
        - **कीचड़ और सेप्टेज प्रबंधन वाले शौचालयों** पर ध्यान केंद्रित करते हैं। ODF++ शहर सभी मल कीचड़ और सीवेज के सुरक्षित संग्रह, परिवहन, उपचार तथा निपटान को सुनिश्चित करते हैं।
    - **वाटर +:**
        - वाटर+ प्रमाणन प्रक्रिया के प्रोटोकॉल एवं अन्य बातों के अतिरिक्त, यह आकलन करते हैं कि **संपूर्ण अपशिष्ट जल** (सीवेज और मल कीचड़) को सुरक्षित रूप से परिवहन, स्वच्छ एवं सीमित किया जाता है, साथ ही **उपचारित अपशिष्ट जल की अधिकतम मात्रा का पुन: उपयोग** भी किया जाता है।

तिरुपति अपशिष्ट प्रबंधन एवं स्वच्छता का प्रबंधन कैसे करता है?

- **अपशिष्ट उत्पादन आँकड़े:**
    - आंध्र प्रदेश के चित्तूर ज़िले में सबसे बड़े **शहरी स्थानीय निकाय (ULB)** तिरुपति के लिये व्यापक अपशिष्ट प्रबंधन सर्वोच्च प्राथमिकता रही है। शहर में प्रतिदिन लगभग 115 टन गीला कचरा (TPD), 15 टन खाद्य कचरा, 61 टन सूखा कचरा और पुनर्चक्रण योग्य कचरा, 1 टन घरेलू खतरनाक कचरा, 2 टन प्लास्टिक कचरा तथा अतिरिक्त 25 टन प्रतिदिन विध्वंस अपशिष्ट एवं कचरा उत्पन्न होता है।
    - एकत्र किये गए संपूर्ण कचरे को संबंधित अपशिष्ट प्रसंस्करण एवं प्रबंधन सुविधाओं में वैज्ञानिक रूप से संसाधित किया जाता है।
- **मज़बूत अपशिष्ट संग्रहण अवसंरचना:**
    - तिरुपति शहर के प्रत्येक द्वार को कवर करते हुए **100% डोर-टू-डोर कचरा संग्रहण** प्राप्त किया है।
        - तिरुपति MC विभिन्न प्रकार के कचरे को अलग करने के लिये डिब्बों से सुसज्जित, घंटा गद्दी तथा ऑटो टिपर जैसी आवश्यक बुनियादी संरचना प्रदान करता है।
- **दक्षता हेतु प्रौद्योगिकी एकीकरण:**
    - तिरुपति घर-घर कचरा संग्रहण की वास्तविक समय पर निगरानी रखने, जवाबदेही एवं दक्षता सुनिश्चित करने के लिये **रेडियो फ्रीक्वेंसी**

[आइडेंटफिकिेशन (RFID) तकनीक]() के साथ एक **ऑनलाइन अपशष्टि प्रबंधन प्रणाली (OWMS)** का उपयोग करता है।

- **अपशष्टि प्रसंस्करण एवं प्रबंधन सुवधािएँ:**
  - तरिूपत‍ि **वकिेंद्रीकृत अपशष्टि प्रसंस्करण,** केंद्रीकृत संयंत्रों पर बोझ को कम करने के साथ-साथ परविहन लागत को भी कम करने पर ध्यान केंद्रति करता है।
  - यह शहर अपशष्टि प्रबंधन प्रयासों को सुव्यवस्थति करते हुए, थोक अपशष्टि जनरेटरों की पहचान और वर्गीकरण करता है।
- **प्लास्टकि अपशष्टि प्रबंधन पहल:**
  - तरिूपत‍ि अपने प्लास्टकि अपशष्टि का प्रबंधन एक समरपति प्लास्टकि अपशष्टि प्रबंधन सुवधिा के माध्यम से करता है जो**नमि्न-श्रेणी के [प्लास्टकि]() को कुशलतापूर्वक** नपिटाने में सक्षम है।
    - वॉशगि प्लांट और एग्लोमरेटर मशीन की शुरुआत, तरिूपत‍ि को प्लास्टकि अपशष्टि को प्रभावी ढंग से**रीसाइक्लगि करने में सक्षम** बनाती है जसिसे **स्थायी अपशष्टि प्रबंधन प्रथाओं में योगदान** मलिता है।
- **जैवकि अपशष्टि प्रबंधन:**
  - तरिूपत‍ि एक **बायो-मीथेनेशन संयंत्र** के संचालन के माध्यम से **जैवकि अपशष्टि को बायो-मीथेन गैस और गुणवत्तापूरण खाद में परविर्तति** करता है जसिसे सतत् कृष‍ि पद्धतयिों तथा ऊर्जा उत्पादन को बढ़ावा मलिता है।
    - उत्पन्न बायो-गैस का उपयोग भोजन पकाने, ऊर्जा और वाहन ईंधन जैसे वभिन्नि अनुप्रयोगों के लयि कयिा जाता है जो शहर के ऊर्जा स्थरिता लक्ष्यों में योगदान देता है।
- **नरि्माण और वध्विंस (CएंडD) अपशष्टि प्रबंधन:**
  - प्रो एनवायरो सॉल्यूशंस के साथ साझेदारी करते हुए तरिूपत‍ि ने [सरकुलर इकोनॉमी सद्धिांतों को बढ़ावा]() देते हुए 20-25 TPD C&D अपशष्टि के प्रबंधन के लयि सुवधिा प्रदान की है।
  - C&D अपशष्टि से संसाधति सामग्री का उपयोग संधारणीयता को बढ़ावा देने, वनिरि्माण और वकिासात्मक कार्यों के लयि कयिा जाता है।

और पढ़ें...[स्वच्छ सर्वेक्षण पुरस्कार 2023]()

UPSC सविलि सेवा परीक्षा, वगित वर्षों के प्रश्न (PYQs)

??????????:

प्रश्न. भारत में ठोस अपशष्टि प्रबंधन नयिम, 2016 के अनुसार, नम्निलखिति में से कौन-सा एक कथन सही है? (2019)

(a) अपशष्टि उत्पादन को पाँच कोटयिाँ में अपशष्टि अलग-अलग करने होंगे।
(b) ये नयिम केवल अधसिूचति नगरीय स्थानीय नकिायों, अधसिूचति नगरों तथा सभी औद्योगकि नगरों पर ही लागू होंगे।
(c) इन नयिमों में अपशष्टि भराव स्थलों तथा अपशष्टि प्रसंस्करण सुवधिाओं के लयि सटीक और ब्यौरेवार मानदंड उपबंधति है।
(d) अपशष्टि उत्पादन के लयि यह आज्ञापक होगा क‍ि किसी एक ज़लि में उत्पादति अपशष्टि कसिी अन्य ज़लि में न ले जाया जाए।

उत्तर: (c)

??????:

प्रश्न.1 नरिंतर उत्पन्न कयि जा रहे फेंके गए ठोस अपशष्टि की वशिाल मात्राओं का नस्तिारण करने में क्या-क्या बाधाएँ हैं? हम अपने रहने योग्य परविश में जमा होते जा रहे ज़हरीले अपशष्टिों को सुरक्षति रूप से कसि प्रकार हटा सकते हैं? (2018)

प्रश्न.2 "जल, सफाई और स्वच्छता आवश्यकता को लक्षति करने वाली नीतयिों के प्रभावी क्रयािन्वयन को सुनश्चिति करने के लयि लाभार्थी वर्गों की पहचान को प्रत्याशति परणिामों के साथ जोड़ना होगा।" 'वाश' योजना के संदर्भ में इस कथन का परीक्षण कीजयि। (2017)

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/tirupati-recognized-for-waste-management-leadership